11 / 11 / 81 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

बिन्दु का महत्व जानकर बिन्दु रुप में स्थित होने का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा पहुँच जाती हूँ मधुपन तपोभूमी पर

➳ _ ➳ जा रही हूँ शांति स्तम्भ···

→ प्यारे बापदादा खडे रहे है···

◆ मैं आत्मा सिमट जाती हूँ···

• बाबा की बाँहों में. . .

→ बापदादा हिसाब-किताब के विस्तार रूपी वृक्ष को इमर्ज करते हैं···

◆ और बहुत बडे वृक्ष की निम्नलिखित शाखायें मेरे सामने इमर्ज होने लगती हैं

• स्मृति की शाखाएं. . .

• देह के संबंधो की शाखाएं···

• देह के पदार्थो की शाखाएं. . .

• भक्ति मार्ग की शाखाएं. . .

• विकर्मों के बंधनों की शाखाएं. . .

• कर्मभोगों की शाखाएं···

➢➢ मैं आत्मा बाबा की याद में खो जाती हूँ. . .

➳ _ ➳ बाबा के दोनों हाथों से···

➳ _ ➳ मस्तक से. . .

→ दिव्य तेजस्वी किरणें निकलकर

◆ मुझ पर पड़ रही हैं. . .

➳ _ ➳ बाबा की याद की लगन की अग्नि···

→ प्रज्वलित हो रही है...

→ सारा वृक्ष जलकर भस्म हो रहा है. . .

◆ सारी शाखाएं टूटकर भस्म हो रही हैं. . .

→ देह के, देह के संबंधो के···

→ देह के पदार्थो के. . .

→ सर्व प्रकार के विस्तार का वृक्ष. . .

◆ भस्म हो रहा है. . .

◆ कई जन्मों के विकर्म दग्ध हो रहे हैं.

• मैं आत्मा सभी प्रकार के कर्मभोगों से मुक्त हो रही हूँ···

➳ _ ➳ मैं बीज स्वरुप, बिंदु रूप आत्मा हीरे समान चमक रही हूँ

→ कितना ही हल्का महसूस कर रही हूँ···

◆ मैं दिव्य सितारा···

◆ दिव्य ज्योति···

◆ दिव्य मणि. . .

• दिव्य प्रकाश का पुंज हूँ. . .

➢➢ मैं बिंदु आत्मा बिंदु बाप के साथ उड़ चली हूँ अपने मूलवतन. . .

➳ _ ➳ अपने असली घर में,

➳ _ ➳ अपने असली स्वरुप में,

➳ _ ➳ अपने असली पिता के सामने

→ मैं आत्मा दिव्य, अलौकिक अनुभूतियाँ कर रही हूँ. . .

◆ मैं आत्मा अपने निज गुणों को धारण कर

• अपने निज स्वरुप की साक्षात अनुभूति कर रही हूँ...

• साक्षात् आत्मा स्वरूप की स्थिति में स्थित हो रही हूँ...

➳ _ ➳ मैं आत्मा अपने स्वरुप का साक्षात्कार भी कर रही हूँ...

➳ _ ➳ साक्षात् आत्म-अनुभवी बन रही हूँ..

➳ _ ➳ चलते-फिरते अपने ज्योति बिंदु स्वरूप का अनुभव भी कर रही हूँ...

→ स्वयं बिन्दु रूप बन...

→ बिन्दु को याद कर रही हूँ...

◆ ड्रामा के हर दृश्य को जाने...

◆ बिन्दु की मात्रा लगा रही हूँ···

◆ एक बिन्दु की मात्रा में आत्मा, परमात्मा और रचना सब याद आ रही है

• **अब** बिन्दु बन बिन्दु के साथ सर्व बिन्दुओं का घर जाने केलिए एवरेडि बन रही हूँ